

खण्ड 'व' व्याकरण

प्रश्न 1 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:- (2+2+3=7)

1. 'आध्वक्ता', 'प्रमुख', 'यथोचित', 'अतिप्रमग' (मूल शब्द और उपसर्ग अलग करके लिखो)
2. 'सुन्दरता', 'दुमव्यङ्ग्य', 'सामाजिक', 'वीरता' (मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखो)
3. 'पीताम्बर', 'चरन्तर', 'दुःखवार' (समस्त पद विग्रह करके समास का नाम लिखिए)

खण्ड 'ख' धातु खण्ड

प्रश्न: निम्न सीखियाँ पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

1. हस्ती चट्टिए ज्ञान को, सहज दुलीचा डीर। (1×3=3)

स्वान रूप संसार है, भूवन के अख मीर।

प्रश्न:- 'स्वान रूप' कौन है? उनके साथ क्या व्यवहार करना चाहिए?

2. इस साखी में किसकी मदद दगी गई है? क्यों?
3. इस साखी में रूपक अलंकार क्या है?

2. ऊँचे कुल का जनमिया, जे करनी ऊँच न होइ।

सुबरन पलस सुरा अर, साधू निंदो सोइ ॥

प्रश्न: 1. 'ऊँचे कुल' से कवि का क्या तात्पर्य है? (1×3=3)

2. कवि किस उदाहरण के द्वारा अपनी बात समझा रहा है?
3. 'सुबरन' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखो

'गद्य खण्ड'

प्रश्न: निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

1. दैनो भिन्न कौन थे? उनके नाम क्या थे? (1+2+2+2=7)

2. दैनो बँडों में व्यक्तिता का कोई उदाहरण दीजिए

3. प्रस्तुत कहानी में गद्य की किन विशेषताओं के कारण उसके प्रति रुढ़ अर्थ 'मुख' का प्रयोग न करके किस नए अर्थ की ओर संकेत किया है?

4. कहानी में बँडों के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक सूत्र उभर कर सामने आए हैं?